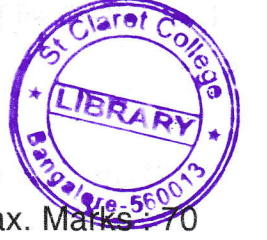




QP – 059

<sup>34</sup>  
III Semester B.Com. Examination, March/April 2022  
(F+R) (CBCS Scheme) (2019-20 and Onwards)  
Paper – III : LANGUAGE HINDI  
Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan



Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए :

(10×1=10)

- 1) उज्जयिनी की राज-सभा का प्रत्येक व्यक्ति किन्हें जानते हैं ?
- 2) मल्लिका की माँ कौन थी ?
- 3) दंतुल कौन था ?
- 4) कालिदास किस रचना के लिए प्रसिद्ध हुआ था ?
- 5) रंगीणी और संगीनी क्यों आये थे ?
- 6) अनुस्वार और अनुनासिक कौन हैं ?
- 7) “आषाढ का एक दिन” नाटक के रचनाकार कौन है ?
- 8) कालिदास की पत्नी का नाम क्या है ?
- 9) “कुमारसंभव” की तपस्विनी उमा कौन है ?
- 10) मल्लिका की बच्ची की आँखे किससे मिलती थी ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

- 1) “मैं रो नहीं रही हूँ माँ ! मेरी आँखों से बरस रहा है, यह दुःख नहीं है । यह सुख है माँ सुख ... । ”
- 2) मैंने इसे पाला-पोसा, बड़ा किया । क्या इसी दिन के लिए कि यह इस तरह कुल-द्रोही बने ।
- 3) “मुझे खेद है मैंने उनके साथ अशिष्टता का व्यवहार किया । मुझे जाकर उनसे क्षमा माँगनी चाहिए । ”
- 4) “तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्मप्रवंचना है । ”

P.T.O.



III. “आषाढ का एक दिन” नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

(1×12=12)

अथवा

“आषाढ का एक दिन” नाटक का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. कोई एक पर टिप्पणी लिखिए :

(1×6=6)

1) कालिदास

2) मल्लिका ।

कोई दो पत्र लिखिए :

(2×10=20)

1) श्री मृगेन्द्रदास आई. ए. एस. उपसचिव, भारत सरकार की ओर से “अनुसंधान छात्रवृत्ति” के लिए सूचित करते हुए उपकुलपति, कर्नाटक विश्वविद्यालय को एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए ।

2) अमलेन्द्र कुमार, भारत-सरकार, समाज कल्याण-मंत्रालय की ओर से श्री ज्योति भूषण को एक वर्ष की अवधि तक भारत-सरकार की सेवा में रहने के लिए सचिव, भारत-सरकार, गृह मंत्रालय को एक अर्ध-सरकारी पत्र लिखिए ।

3) ललित मोहन, उपनिदेशक, मध्यप्रदेश, उद्योग विभाग से अर्जित छुट्टी स्वीकार करने के लिए “वर्तिका भारती” को एक कार्यालय आदेश लिखिए ।

V. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तकरण कीजिए :

10

हमारे देश में जो हाल-हाल तक गुलाम बना रहा, नागरीक स्वतंत्रता का मूल्य समझाना जरा कठिन है । अभी हमारे देश की जनता का ध्यान रोटी, कपड़ा, मकान और रोजगार की ओर गया है । प्रायः लोग यह कहते सुनायी देते हैं कि हमें इससे मतलब नहीं कि इस देश में किसका शासन है । जनतंत्र है तानाशाही । हमें तो रोटी चाहिए । रोजगार चाहिए, दवा चाहिए । इन आवश्यकताओं को कोई भी पूरा कर दे । जनता की यह मानसिक स्थिति ठीक नहीं । यदि जनता की सूझ-बूझ ऐसा ही रही तो फिर स्वतंत्रता जो असीम बलिदान देकर प्राप्त की गयी है । मिट जायेगी ।